



बेल में विटामिन बी12 से भरपूर

श्रीटीएनएन | कानपुर

चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के फल विज्ञान विभाग में शोधरत छात्रा अनुशी ने बताया की वर्तमान समय में बाजारों में उपलब्ध फलों में अत्यधिक रसायन यथा कीटनाशक, फफूंदीनासक, खरपतवरनाशक एवं अन्य प्रकार के रसायन युक्त सामग्रियों का उपयोग कर फलों को तैयार किया जाता है, जो आम जनमानस के स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने के साथ-साथ अत्यधिक गंभीर बीमारियां होने की संभावनाओं को भी बढ़ा देता है। उन्होंने बताया की सभी लोग अपने आस पास उपलब्ध अनुपयोगी जगह पर आम, अमरुद, केला, बेल, सहतूत एवं अन्य विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्यवर्धक, पौष्टिक फलदार वृक्षों का रोपण कर सकते हैं जिससे आप गुणवत्तापूर्ण फलों के साथ-साथ बढ़ती हुई इस गर्मी में शीतलता एवं छांव भी पा सकेंगे।

उन्होंने बताया कि वे स्वयं विगत कई वर्षों से अपने घर के आसपास उपलब्ध अनुपयोगी जगह व बगीचे में विभिन्न फलदार वृक्ष जैसे कि आम जोकि हमें माह जून से अगस्त तक विटामिन ए युक्त फल देता है। अमरुद जोकि वर्ष में दो बार मार्च से अप्रैल एवं नवम्बर से दिसंबर के मध्य विटामिन सी युक्त फल देता है। आवला जिसका उत्पादन हम फरवरी के माह में ले सकते हैं, बेल जिसे मई से अगस्त माह में उपयोग कर सकते हैं जोकि विटामिन बी12 से भरपूर है एवं केले जो सितम्बर से दिसंबर तक फल प्रदान करता है तथा अन्य फलदार वृक्ष का रोपण कर उनसे रसायनमुक्त, स्वास्थ्यवर्धक फल का उपयोग कर रहे हैं जोकि शरीर के मेटाबोलिज्म को मजबूत कर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ महंगाई के इस दौर में दोहरी राहत प्रदान कर रहा है।



घरों में उगाये स्वास्थ्य वर्धक फलदार पौधे..अनुशी

दि ग्राम टुडे , कानपुर ।
(संजय मौर्य)

चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के फल विज्ञान विभाग में शोधरत छात्रा अनुशी ने बताया की वर्तमान समय में बाजारों में उपलब्ध फलों में अत्यधिक रसायन यथा कीटनाशक, फफूंदीनासक, खरपतवरनाशक एवं अन्य प्रकार के रसायन युक्त सामग्रियों का उपयोग कर फलों को तैयार किया जाता है, जो आम जनमानस के स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने के साथ-साथ अत्यधिक गंभीर बीमारियां होने की संभावनाओं को भी बढ़ा देता है छ उन्होने बताया की सभी लोग अपने आस पास उपलब्ध अनुपयोगी जगह पर आम, अमरुद, केला, बेल, सहतूत एवं अन्य विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्यवर्धक, पौष्टिक फलदार वृक्षों का रोपण कर सकते है।जिससे आप गुणवत्तापूर्ण फलों के साथ-साथ बढ़ती हुई इस गर्मी में शीतलता एवं छाव भी पा सकेगे छ

उन्होंने बताया कि वे स्वयं विगत कई वर्षों से अपने घर के आसपास



उपलब्ध अनुपयोगी जगह व बगीचे में विभिन्न फलदार वृक्ष जैसे कि आम जोकि हमें माह जून से अगस्त तक विटामिन ए युक्त फल देता है।अमरुद जोकि वर्ष में दो बार मार्च से अप्रैल एवं नवम्बर से दिसंबर के मध्य विटामिन सी युक्त फल देता है। आवला जिसका उत्पादन हम फरवरी के माह में ले सकते है, बेल जिसे मई से अगस्त

माह में उपयोग कर सकते है जोकि विटामिन बी12 से भरपूर है एवं केले जो सितम्बर से दिसंबर तक फल प्रदान करता है तथा अन्य फलदार वृक्ष का रोपण कर उनसे रसायनमुक्त, स्वास्थ्यवर्धक फल का उपयोग कर रहे है जोकि शरीर के मेटाबोलिज्म को मजबूत कर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ महंगाई के इस दौर में दोहरी राहत प्रदान कर रहा है

दैनिक

अद्योग नगरी लाइम्स

E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com

सत्य ही कर्तव्य

हिन्दी दैनिक प्रातःकालीन)

कानपुर, रविवार 31 मार्च 2024

(R.N.I.No. UPHIN/2010/47220)

कानपुर नगर

रविवार 31 मार्च 2024

पृष्ठ 4

घरों में उगाये स्वास्थ्यवर्धक फलदार पौधे : अनुशी

कानपुर, 30 मार्च (यू0एन0टी0)। **अनवर अशरफ** चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के फल विज्ञान विभाग में शोधरत छात्रा अनुशी ने बताया की वर्तमान समय में बाजारों में उपलब्ध फलों में अत्यधिक रसायन यथा कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवर नाशक एवं अन्य प्रकार के रसायन युक्त सामग्रियों का उपयोग कर फलों को तैयार किया जाता है, जो आम जनमानस के स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने के साथ-साथ अत्यधिक गंभीर बीमारियां होने की संभावनाओं को भी बढ़ा देता है। स उन्होंने बताया की सभी लोग अपने आस पास उपलब्ध अनुपयोगी जगह पर आम, अमरुद, केला, बेल, सहतूत एवं अन्य विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्यवर्धक, पौष्टिक फलदार वृक्षों का रोपण कर सकते हैं। जिससे आप गुणवत्तापूर्ण फलों के साथ-साथ बढ़ती हुई इस गर्मी में शीतलता एवं छाव भी पा सकेंगे। उन्होंने बताया कि वे स्वयं विगत कई वर्षों से अपने घर के आसपास



उपलब्ध अनुपयोगी जगह व बगीचे में विभिन्न फलदार वृक्ष जैसे कि आम जोकि हमें माह जून से अगस्त तक विटामिन ए युक्त फल देता है।

अमरुद जोकि वर्ष में दो बार मार्च से अप्रैल एवं नवम्बर से दिसंबर के मध्य विटामिन सी युक्त फल देता है। आवला जिसका उत्पादन हम फरवरी के माह में ले सकते हैं, बेल जिसे मई से अगस्त माह में उपयोग कर सकते हैं जोकि विटामिन बी12 से भरपूर है एवं केले जो सितम्बर से

दिसंबर तक फल प्रदान करता है तथा अन्य फलदार वृक्ष का रोपण कर उनसे रसायनमुक्त, स्वास्थ्यवर्धक फल का उपयोग कर रहे हैं जोकि शरीर के मेटाबोलिज्म को मजबूत कर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ महंगाई के इस दौर में दोहरी राहत प्रदान कर रहा है।

गर्मी अभी से कर रही बेहाल मई जून में क्या होगा हाल

कानपुर, 30 मार्च (यू0एन0टी0)। मार्च के महीने में ही गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ना शुरू कर दिया है। इससे मई और जून में क्या हाल होगा, ये सोचकर कानपुराइट्स अभी से डरे हुए हैं। जबकि आमतौर पर मार्च में गर्मी दस्तक देती है। मार्च की रातें

गर्म नहीं होती हैं। बिना पंखे के भी काम चल जाता है। लेकिन इस बार दिन के साथ साथ मार्च की रातें भी गर्म हो रही हैं। यही वजह है कि मिनिमम टेंपरेचर ने मार्च महीने में बीते 12 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है।



विश्ववार्ता

सच्ची खबर, पैनी नज़र

घरों में उगायें स्वास्थ्यवर्धक फलदार पौधे जनमानस के लिए लाभकारी : अनुशी

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। फलों में अत्यधिक विभिन्न प्रकार के रसायन का प्रयोग जनमानस के स्वास्थ्य पर गंभीर बीमारियों की संभावना बढ़ा देता है। लेकिन घरों में उगाए फल व सब्जी अत्यधिक लाभकारी होता है, इस लिए स्वास्थ्यवर्धक फलदार पौधे घरों में उगाएं। यह बात शनिवार को चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के फल विज्ञान विभाग में शोधरत छात्रा अनुशी ने कही।

शोध छात्रा ने बताया कि बताया की वर्तमान समय में बाजारों में उपलब्ध फलों में अत्यधिक रसायन यथा कीटनाशक, फफूंदनाशक खरपतवरनाशक एवं अन्य प्रकार के रसायन युक्त सामग्रियों का उपयोग कर फलों को तैयार किया जाता है, जो आम जनमानस के स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने के साथ-साथ अत्यधिक गंभीर बीमारिया होने की संभावनाओं को भी बढ़ा देता है।

उन्होंने बताया की सभी लोग अपने आस पास उपलब्ध अनुपयोगी जगह पर आम, अमरुद, केला, बेल, सहतूत एवं अन्य विभिन्न प्रकार के

स्वास्थ्यवर्धक, पौष्टिक फलदार वृक्षों का रोपण कर सकते हैं। जिससे आप गुणवत्तापूर्ण फलों के साथ-साथ बढ़ती हुई इस गर्मी में शीतलता एवं छाव भी पा सकेंगे।

उन्होंने बताया कि वे स्वयं विगत कई वर्षों से अपने घर के आसपास उपलब्ध अनुपयोगी जगह व बगीचे में विभिन्न फलदार वृक्ष जैसे कि आम जोकि हमें माह जून से अगस्त तक विटामिन ए युक्त फल देता है। अमरुद जोकि वर्ष में दो बार मार्च से अप्रैल एवं नवम्बर से दिसंबर के मध्य विटामिन सी युक्त फल देता है।

आवला जिसका उत्पादन हम फरवरी के माह में ले सकते हैं, बेल जिसे मई से अगस्त माह में उपयोग कर सकते हैं जोकि विटामिन बी12 से भरपूर है एवं केले जो सितम्बर से दिसंबर तक फल प्रदान करता है तथा अन्य फलदार वृक्ष का रोपण कर उनसे रसायनमुक्त, स्वास्थ्यवर्धक फल का उपयोग कर रहे हैं जोकि शरीर के मेटाबोलिज्म को मजबूत कर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ महंगाई के इस दौर में दोहरी राहत प्रदान कर रहा है।



34.0° 24.0°
अधिकतम न्यूनतम



www.twitter.com/
worldkhabarexpress
www.facebook.com/
worldkhabarexpress
www.youtube.com/
worldkhabarexpress

WORLD

खबर ट्वसप्रेस

गंगा
मेला
की
हार्दिक शुभकामनाएं

www.worldkhabarexpress.media

www.worldkhabarexpress.com

Daily Evening E-Paper

रविवार, 30 मार्च, 2024, अंक : 227

घरों में ही उगाये स्वास्थ्यवर्धक फलदार पौधे: अनुशी



कानपुर। चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रद्योगिक विश्वविद्यालय, के फल विज्ञान विभाग में शोधरत छात्रा अनुशी ने बताया की वर्तमान समय में बाजारों में उपलब्ध फलों में अत्यधिक रसायन यथा कीटनाशक, फफूंदनासक, खरपतवार नाशक एवं अन्य प्रकार के रसायन युक्त सामग्रियों का उपयोग कर फलों को तैयार किया जाता है, जो आम जनमानस के स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने के साथ-साथ अत्यधिक गंभीर बीमारियां होने की संभावनाओं को भी बढ़ा देता है घ उन्होंने बताया की सभी लोग अपने आस पास उपलब्ध

अनुपयोगी जगह पर आम, अमरुद, केला, बेल, सहतूत एवं अन्य विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्यवर्धक, पौष्टिक फलदार वृक्षों का रोपण कर सकते हैं। जिससे आप गुणवत्तापूर्ण फलों के साथ-साथ बढ़ती हुई इस गर्मी में शीतलता एवं छाव भी पा सकेंगे उन्होंने बताया कि वे स्वयं विगत कई वर्षों से अपने घर के आसपास उपलब्ध अनुपयोगी जगह व बगीचे में विभिन्न फलदार वृक्ष जैसे कि आम जोकि हमें माह जून से अगस्त तक विटामिन ए युक्त फल देता है। अमरुद जोकि वर्ष में दो बार मार्च से अप्रैल एवं नवम्बर से

दिसंबर के मध्य विटामिन सी युक्त फल देता है। आवला जिसका उत्पादन हम फरवरी के माह में ले सकते हैं, बेल जिसे मई से अगस्त माह में उपयोग कर सकते हैं जोकि विटामिन बी12 से भरपूर है एवं केले जो सितम्बर से दिसंबर तक फल प्रदान करता है तथा अन्य फलदार वृक्ष का रोपण कर उनसे रसायनमुक्त, स्वास्थ्यवर्धक फल का उपयोग कर रहे हैं जोकि शरीर के मेटाबोलिज्म को मजबूत कर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ महंगाई के इस दौर में दोहरी राहत प्रदान कर रहा है।